Lecture No. - 12/09-11-2020

System Psy.

Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
Date:- 9-11-20

Existential Psychology

Contribution of Rollo May

रोलो मे का जन्म ओहियो (Ohio) मे 1909 मे हुआ। इन्होंने पी-एच.डी. की उपाधि कोलम्बिया विश्वविद्यालय (Columbia university) से प्राप्त किया। वे पहले अमेरिकन मनोवैज्ञानिक है जिन्होंने अस्तित्ववादी मनोविज्ञान (Existential Psychology) जो उनके यूरोपीयन सहकर्मी (colleague) का मुख्य देन था को समर्थन प्रदान किया। अपने यूरोपीयन सहकर्मियों अर्थात बिन्सवेंगर (Binswanger) तथा बॉस (Boss) के समान ये भी मनश्चिकित्सा (Psychotherapy) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किए। इनके पुस्तकों में तीन विशेष रूप से उल्लेखनीय है:- एक्जीस्टेन्शियल साईकोलॉजी (Existential Psychology, 1969), लव एण्ड विल (Love and will, 1969), मैन्स सर्च फोर हिमसेल्फ (Man's search for Himself, 1953)

अन्य अस्तित्ववादी मनोवैज्ञानिकों के समान वे मनुष्यों के अस्तित्ववादी दुनिया में बने रहने की आवश्यकता पर बल डाला है। चूँकी मनुष्य अपने वातावरण से अलग नहीं हो सकता है, इसलिए दोनों के बीच एक स्वतः सम्बन्ध (Stimulteneous relationship) होता है जिसमें अस्तित्व के तीन तरीका (modes) मुख्य होते है:- भौतिक एवं दैहिक (Physical and Physiological), अन्य लोगों का सामाजिक

वातावरण (social environment or other people) तथा उसके भीतरी स्वभाव के साथ उसका अपना सम्बन्ध (Relationship)।

व्यक्ति को अपने अस्तित्व की समाप्ति का अंदाज होता है और इस अंदाज से उसे चिन्ता उत्पन्न होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने मूल अन्तःशक्ति (potentials) को पूरा करने में असमर्थ रहता है तो उससे उसमें दोष-भाव (guilt-feeling) उत्पन्न होता है। 'मे' ने व्यक्ति ~~को~~ ने के भीतर दो तरह के संवेगों (emotion) की पहचान किया है। चिन्ता एवं दोष भाव। इन संवेगों पर बल डालने के अतिरिक्त 'मे' ने व्यक्ति की इच्छा प्रदर्शित करने की क्षमता की पहचान करके व्यक्ति के धनात्मक पहलु (positive aspect) पर बल डाला है। इसमें विभिन्न सम्भावनाओं से उत्तम सम्भावना को चयन करने की इच्छा शक्ति भी सम्मिलित होती है। उनके इस धनात्मक पहलु का एक मुख्य पहलु प्यार या स्नेह (Love) है। जिसके उन्होंने चार तत्व (elements) बतलाया है — यौन (sex), इरोस (eros) अर्थात महत्वपूर्ण लोगों से सम्पर्क स्थापित करने की क्षमता, फिलीया (philia) अर्थात दुसरो के कल्याण के लिए चिन्तित रहना तथा एगेप (agape) अर्थात सबों के साथ स्नेह पूर्ण सम्बन्ध के लिए चिन्ता।

End.